अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड, जोधपुर

कक्षा : तृतीय – जैन धर्म प्रथमा (परीक्षा 30 जून, 2013)

समय : 3 घण्टे अंक : 100

रोल नं.: (अंकों में) .....

(शब्दों में) .....

परीक्षा केन्द्र की कोड संख्या :

केन्द्राधीक्षक/निरीक्षक के हस्ताक्षर

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश–

1. सभी प्रश्नों के उत्तर इसी पत्रक में प्रश्न के नीचे/सामने छोड़े गये रिक्त स्थान में ही लिखें।
2. काली अथवा नीली स्याही का प्रयोग करें, लाल स्याही का नहीं।
3. उत्तीर्ण होने के लिए कम से कम 50 प्रतिशत अंक पाना अनिवार्य है अन्यथा अनुत्तीर्ण माना जाएगा।
4. किसी भी प्रकार की नकल नहीं करें एवं किसी से बातचीत का भी प्रयास नहीं करें। इसके अंक काटे जा सकते हैं अथवा परीक्षा निरस्त की जा सकती है।
5. अधीक्षक, पर्यवेक्षक एवं वीक्षक के निर्देशों का पालन करें।
6. कहीं पर भी अपना नाम अथवा केन्द्र का नाम नहीं लिखें।

जाँचकर्त्ता के प्रयोग हेतु–

प्रश्न क्र.	1	2	3	4	5	6	कुल योग
प्राप्तांक							
पूर्णांक	10	10	10	10	24	36	100
पुनः जाँच							

जाँचकर्त्ता के हस्ताक्षर

प्र.1 निम्नलिखित प्रश्नों में से सही उत्तर का क्रमाक्षर कोष्ठक में लिखिए :- **10x1=(10)**

(a) **प्रतिक्रमण का मूल नाम है -**

(क) सामायिक सूत्र (ख) चतुर्विंशतिस्तव सूत्र

(ग) आवश्यक सूत्र (घ) कायोत्सर्ग सूत्र ( )

(b) **समकित के अतिचार हैं -**

(क) 14 (ख) 05

(ग) 60 (घ) 15 ( )

(c) **पाँचवें स्थूल का नाम है -**

(क) प्राणातिपात विरमण व्रत (ख) अदत्तादान विरमण व्रत

(ग) परिग्रह विरमण व्रत (घ) मृषावाद विरमण व्रत ( )

(d) **'शब्द करके चेताया हो' यह अत्तिचार किस स्थूल (व्रत) से सम्बन्धित है -**

(क) सामायिक व्रत (ख) प्रतिपूर्ण पौषध व्रत

(ग) देसावगासिक व्रत (घ) उपभोग-परिभोग व्रत ( )

(e) **'अभ्याख्यान' अठारह पापस्थानों में कौनसा पापस्थान है -**

(क) 11 वाँ (ख) 12 वाँ

(ग) 13 वाँ (घ) 14 वाँ ( )

(f) **बेइन्द्रिय का उदाहरण है -**

(क) चाचड़ (ख) अलसिया

(ग) सर्प (घ) बिच्छू ( )

(g) **मन, वचन और काय की प्रवृत्ति को कहते हैं -**

(क) जाति (ख) शरीर

(ग) प्राण (घ) योग ( )

(h) **मिथ्यात्व के कितने भेद बताये गये हैं -**

(क) 24 (ख) 17

(ग) 10 (घ) 27 ( )

(i) **श्रद्धा के बीच होने वाले विक्षेपों को कहते हैं -**

(क) लक्षण (ख) भूषण

(ग) दूषण (घ) शुद्धि ( )

(j) मिथ्यादृष्टि से बिना कारण न बोलें और सम्यग्दृष्टि से ज्ञान चर्चा के लिये बोलें, यह कहलाता है -

(क) संलाप (ख) आलाप

(ग) मान (घ) वन्दना ( )

प्र.2 निम्न प्रश्नों के उत्तर 'हाँ' अथवा 'नहीं' में दीजिए :- 10x1=(10)

(a) आगम के तीन प्रकार बताये गये हैं। ( )

(b) ज्ञान और ज्ञानवंत पुरूषों की आशातना करना दर्शनाचार है। ( )

(c) रति-अरति 16वाँ पापस्थान है। ( )

(d) 'कामभोगासंसप्पओगे' संलेखना का अत्तिचार है। ( )

(e) 'वस्तु में भेल-संभेल किया हो' दूजा स्थूल का अत्तिचार है। ( )

(f) उक्कलिया, मण्डलिया वायुकाय के भेद हैं। ( )

(g) खाये हुये आहार के पुद्गलों को पचाने का काम कार्मण शरीर करता है। ( )

(h) आत्मस्वरूप का अखण्ड अनुभव करना, शुक्लध्यान कहलाता है। ( )

(i) 'गणाभियोग' आगार का एक भेद है। ( )

(j) जीव चेतना लक्षण युक्त है। यह भावना का भेद है। ( )

प्र.3 मुझे पहचानो :- 10x1=(10)

(a) मैं आवश्यक सूत्र का पाँचवाँ अंग हूँ। .....

(b) जोगहीणं, घोसहीणं मेरे अत्तिचार कहे गये हैं। .....

(c) आसायणाए तित्तिसन्नयराए मेरे पाठ में बोले जाते हैं। .....

(d) मेरे द्वारा जीव को सभी रस ग्रहण होते हैं। .....

(e) मेरे द्वारा आत्मा पर कर्म पुद्गलों का आगमन होता है। .....

(f) मैं अन्य तीर्थिकों के आडम्बर को देखकर उनकी चाह करता हूँ। .....

(g) भारतवर्ष में इस युग में मेरा प्रथम विवाह था। .....

(h) मैं भगवान ऋषभदेव की माता हूँ। .....

(i) मैं जीव को विवेकपूर्वक गमन करने में मदद करता हूँ। .....

(j) मेरे द्वारा जीव नीच कर्म का क्षय एवं उच्च गोत्र का बंध करता है। .....

प्र.4 प्रश्न एवं उत्तर दोनों क्रम से नहीं दिये हुए हैं, आप उत्तर की जोड़ी मिलाकर सही उत्तर रिक्त स्थान में लिखिए :- **10x1=(10)**

(a)	**99 अत्तिचार**	-	**दर्शन सम्यक्त्व**	.....
(b)	**पापस्थान**	-	**प्राण**	.....
(c)	**कसारी**	-	**18**	.....
(d)	**पेयाला**	-	**लक्षण**	.....
(e)	**10**	-	**स्थिरीकरण**	.....
(f)	**आस्था**	-	**समुच्चय का पाठ**	.....
(g)	**दर्शनाचार**	-	**चउरिन्द्रिय**	.....
(h)	**उत्कृष्ट वन्दना**	-	**6**	.....
(i)	**आभ्यन्तर तप**	-	**करेमि भंते**	.....
(j)	**प्रतिज्ञा सूत्र**	-	**इच्छामि खमासमणो**	.....

प्र.5 निम्न प्रश्नों के उत्तर एक-दो वाक्यों में लिखिए :- **12x2=(24)**

(a) **'परमत्थ ..... सद्दहणा।' रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।**

.....

.....

(b) **सातवें स्थूल के कोई दो अतिचारों का उल्लेख कीजिए।**

.....

.....

(c) **अठारह पापस्थान पाठ के अन्तिम चार पापस्थानों का क्रम से उल्लेख कीजिए।**

.....

.....

(d) **ज्ञान के कोई चार अतिचारों के नाम लिखिए।**

.....

.....

(e) **तिर्यच गति किसे कहते हैं ?**

.....

.....

(f) **अवधिज्ञान किसे कहते हैं ?**

.....

.....

(g) **स्थानक किसे कहते हैं ? स्थानक के कितने भेद होते हैं ?**

.....

.....

(h) **संवेग एवं निर्वेद शब्द को परिभाषित कीजिए।**

.....

.....

(i) **भगवान ऋषभदेव की केवलज्ञान एवं निर्वाण कल्याणक की तिथि लिखिए।**

.....

.....

(j) **'पूजा ..... क्या कहना।' रिक्त स्थान को पूर्ण कीजिए।**

.....

.....

(k) **'पाँच ..... नमस्कार।' रिक्त स्थान को पूर्ण कीजिए।**

.....

.....

(l) **योग किसे कहते हैं ?योग के कितने भेद हैं ?**

.....

.....

प्र.6 निम्न प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में लिखिए :- **12x3=(36)**

(a) **'वइक्कंतो ..... मिच्छाए।' रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।**

.....

.....

.....

(b) ग्यारहवाँ प्रतिपूर्ण पौषध व्रत के पांच अतिचारों का उल्लेख कीजिए।

.....

.....

.....

(c) लेश्या किसे कहते हैं? नील लेश्या को परिभाषित कीजिए।

.....

.....

.....

(d) यतना के कोई तीन भेदों को अर्थ सहित लिखिए।

.....

.....

.....

(e) अक्षय तृतीया (वैशाख शुक्ला तृतीया) को तप त्याग दिवस के रूप में क्यों मनाया जाता है?

.....

.....

.....

(f) भगवान ऋषभदेव को केवलज्ञान की प्राप्ति कैसे हुई ?उनके प्रथम गणधर, चक्रवर्ती एवं प्रमुख आर्यिकाओं के नाम भी लिखिए।

.....

.....

.....

(g) 'सिद्धों ..... संघ दिपाते'। उक्त प्रार्थना के पदों को पूर्ण कीजिए।

.....

.....

.....

(h) **'जो दर्शन ..... जो वंदित है'। रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।**

.....

.....

.....

(i) **पर्यावरण किसे कहते हैं ? षट् द्रव्यों में कौनसे द्रव्य पर्यावरण प्रदूषण को बढ़ावा देने में सहायक हैं?**

.....

.....

.....

(j) **वीर्याचार क्या है ?इसके भेदों को संक्षिप्त में लिखिए।**

.....

.....

.....

(k) **सामायिक के बत्तीस दोषों में से मन के दोषों को क्रम से लिखिए।**

.....

.....

.....

(l) **प्राण के कितने भेद होते हैं ? क्रम से नाम लिखिए।**

.....

.....

.....